# Result Mitra Daily Magazine

## वसाई की संधि

### ❖ बंबई द्वीप का इतिहास :

- बंबई द्वीप एवं साल्सेट द्वीप गुजरात के सुल्तानों के अधीन थे लेकिन 13 वीं शताब्दी के अंत में (1297–98)अलाउद्दीन खिलजी की सेना ने गुजरात और उत्तरी कोंकण क्षेत्र को राजपूत शासकों से जीत लिया।
- क्षेत्र को मुस्लिम राज्यपालों के अधीन रखा गया था, जिसकी राजधानी अन्हिलवाड़ पाटन में थी।
- अगले 100 वर्षों तक यह दिल्ली के अधीन रहा, लेकिन दिल्ली सल्तनत के पतन के बाद 15वीं शताब्दी में इस क्षेत्र पर अहमदाबाद के सुल्तानों द्वारा स्वतंत्र राजवंश का उदय हुआ, जो 1534 तक बना रहा।

### ❖ वसाई (वासीन) की संधि :

- 1534 में क्षेत्र पर हुमायूं ने आक्रमण किया। इस आक्रमण से बचने के लिए तत्कालीन शासक बहादुर शाह ने पुर्तगालियों की मदद ली, जिसके तहत दोनों के बीच वसाई की संधि हुई।
- संधि के तहत तत्कालीन पुर्तगाली गवर्नर नूनो–डि–कान्हा को बंबई सहित साल्सेट, करंजा एवं एलीफेंटा का क्षेत्र मिला।

- 1535 में वसाई की दूसरी संधि के तहत पुर्तगालियों को दीव का क्षेत्र मिला।
- 1537 में पुर्तगालियों ने बहादुर शाह को पराजित कर क्षेत्र को अपने अधीन कर लिया।

## ❖ पुर्तगालियों का आधिपत्य :

- दीव एवं दामन पर नियंत्रण करने के बाद पुर्तगालियों का नियंत्रण कैम्बे की खाड़ी पर स्थापित हो गया, जो उस समय मलक्का से व्यापार किए जाने में अहम स्थान रखता था।
- भारत उस दौर में वस्त्रों का प्रमुख निर्यातक था। बर्मा एवं जावा के लोग मसाले एवं चांदी के द्वारा वस्त्रों का आयात सुनिश्चित करते थे।
- व्यापार तंत्र इतना मजबूत और आवश्यक था कि मलक्का कैम्बे के बिना और कैम्बे मलक्का के बिना जीवंत नहीं रह सकता था।
- अगले 130 वर्षों तक इस क्षेत्र पर पुर्तगालियों का नियंत्रण रहा।

## ❖ दहेज के रूप में बंबई :

- 1661 में इंग्लैंड के चार्ल्स–II एवं पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ऑफ ब्रेगेंजा के बीच शादी हुई, जिसमें पुर्तगालियों ने दहेज के रूप में बॉम्बे अंग्रेजों को दे दिया।
- पुर्तगालियों के अधीन फिर भी बेसिन, साल्सेट, धारावी, वर्ली, परेल आदि क्षेत्र रह गया।
- 1668 में चार्ल्स–II ने 10 पाउंड वार्षिक दर पर बंबई किराए पर ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिया।

## ❖ बदलता बंबई :

- उस दौर में बंबई वास्तव में दलदली टापुओं का समूह था, लेकिन 18वीं सदी की शुरुआत में इसका महत्व बढ़ने लगा।
- 1712 में अंग्रेजों ने अपना मुख्यालय सूरत से बंबई स्थानांतरित कर लिया, जिसके बाद बंबई ने एक स्वतंत्र राजनीतिक स्थल के रूप में पहचान बनाई।
- पुर्तगालियों ने इसे 'बॉम्बेम' या 'मोम्बैम' नाम दिया, जिसे अंग्रेजों ने बदलकर 'बॉम्बे' कर दिया।

## ❖ ऐतिहासिक संधि :

- 1531 में पुर्तगालियों ने गुजरात पर आक्रमण करने की रणनीति बनाई एवं 1532 में लगभग 3000 सैनिकों के साथ बेसिन पर हमला किया तथा किले पर कब्जा कर लिया गया।
- धीरे-धीरे पुर्तगालियों ने अन्य क्षेत्रों पर भी अधिकार कर लिया।
- 1534 में जब मुगलों ने गुजरात पर हमला किया, तो बहादुर शाह ने पुर्तगालियों को संधि का प्रस्ताव भेजा।

- 23 दिसंबर 1534 को बहादुर शाह एवं नूनो–डी–कुन्हा के बीच सेंट मैथ्यू गैलियन बंदरगाह पर एक संधि हुई।
- यह संधि बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि एक भारतीय संप्रभु शासक और किसी यूरोपीय शक्ति के बीच संभवत: यह पहली संधि थी।
- इस संधि ने न सिर्फ कोंकण तट पर पुर्तगालियों को पैर जमाने में योगदान दिया, बल्कि क्षेत्र में स्थित उपजाऊ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र भी पुर्तगालियों को प्राप्त हो गया।